PGDDM

सत्रीय कार्य 2017

(जनवरी 2017 और जुलाई 2017 सत्रों में
प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए)

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी.जी.डी.डी.एम.)

समाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि आपको आपदा प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका में बताया ही जा चुका है कि आपको चार क्रेडिट वाले प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य करने होंगे। आपको प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में देना होगा। आप यह देखेंगे कि सत्रीय कार्यों के प्रश्न विश्लेषणात्मक और वर्णनात्मक प्रकृति के हैं। इन्हें करने से आप अवधारणाओं को बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

सत्रीय कार्यों को करने से पहले कृपया कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह महत्वपूर्ण है कि आप टी.एम.ए. के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपके उत्तर प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित की गई शब्द–सीमा के भीतर होने चाहिए। याद रखें, सत्रीय कार्य के प्रश्नों का उत्तर लिखने से आपकी लेखन शैली में सुधार होगा और ये आपको सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार करेंगे।

सत्रीय कार्यों को आपने अध्ययन केंद्र के संचालक के पास जमा कराएँ। जमा कराए गए सत्रीय कार्यों की अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य प्राप्त कर लें और उसे अपने पास संभाल कर रखें। यह आवश्यक है कि आप सत्रीय कार्यों की एक फोटोप्रति भी अपने पास रखें।

सत्रीय कार्यों को मूल्यांकन के पश्चात अध्ययन केंद्र आपको वापस कर देगा। कृपया इस ओर विशेष ध्यान दें। अध्ययन केंद्र द्वारा अंकों को संबंधित क्षेत्रीय केंद्र को भेजना होता है और बाद में वे उन्हें विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, मैदान गढ़ी, नई दिल्ली के पास भेजते हैं।

प्रस्तुतीकरण

आपको सत्रीय कार्यों को निर्धारित तिथि तक जमा कराना होगा ताकि आप सत्रांत परीक्षा देने के पात्र हो सकें।

सत्रीय कार्यों को पूरा करके निम्नलिखित समय–सारणी के अनुसार भेजें :

सत्रीय कार्य संख्या	प्रस्तुति की तिथि	किसे भेजें
एम.पी.ए.–001 **एम.पी.ए.–002** **एम.पी.ए.–003** **एम.पी.ए.–004** **एम.पी.ए.–005** **एम.पी.ए.–006** **एम.पी.ए.–007** **एम.ई.डी.–004 (केवल उन्हीं विद्यार्थियों के लिए जिन्होंने परियोजना कार्य के स्थान पर इस पाठ्यक्रम को लिया है।)**	**जनवरी 2017 सत्र के लिए 30 सितंबर 2017** **जुलाई 2017 सत्र के लिए 31 मार्च 2018**	**अपने निर्दिष्ट अध्ययन केंद्र के संचालक को**

सत्रीय कार्य करने के निर्देश

हम आशा करते हैं कि आप सत्रीय कार्य में दिए गए निर्देशों के अनुसार अपने उत्तर लिखेंगे। सत्रीय कार्यों के उत्तर लिखते समय कृपया निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखें:

1) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढ़िए। प्रत्येक उत्तर के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

2) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर को चुनने और विश्लेषण करने का प्रयास कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और समाहार पर विशेष ध्यान दें।

   उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

   क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो
   ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध हो; और
   ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही हों।

3) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में ही लिखें।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हों, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही हो।

शुभकामनाओं के साथ,

प्रो. उमा मेडूरी
प्रो. डौली मैथ्यू
(कार्यक्रम संयोजक)

एम.पी.ए.–001
प्राकृतिक आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–001
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. सूखे के कारणों की चर्चा कीजिए और आपदा प्रबंधन में राजस्थान सरकार की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10

2. केंद्रीय, राज्य और स्थानीय स्तरों पर आपदा प्रबंधन प्रणाली की समीक्षा कीजिए। 10

3. 'पूर्वानुमान, चेतावनी और मॉनीटरिंग, प्रभावी बाढ़ प्रबंधन प्रणाली के महत्वपूर्ण घटक हैं।' टिप्पणी कीजिए। 10

4. चक्रवात संभावित क्षेत्रों में आपदा प्रबंधन के लिए आप क्या उपाय सुझाएँगे। 10

5. लातूर भूकंप के मामले में आपदा प्रबंधन में महाराष्ट्र सरकार की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10

भाग–II

6. भूस्खलन के कारणों की चर्चा कीजिए और आपदा न्यूनीकरण के लिए जरूरी उपाय सुझाइए। 10

7. ज्वालामुखी संकट न्यूनीकरण और प्रबंधन व्यवहार का वर्णन कीजिए। 10

8. 'प्रभावी तटीय क्षेत्र प्रबंधन और अनुक्रिया कार्यनीतियों से समुद्र तल के ऊपर उठने के विपरीत प्रभावों को कम किया जा सकता है।' विवेचन कीजिए। 10

9. शीत और उष्णता लहरों के कारणों और प्रभावों की व्याख्या कीजिए। 10

10. कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

एम.पी.ए.–002
मनव–निर्मित आपदाओं को समझना
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–002
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. मानव–निर्मित आपदाओं के विभिन्न प्रकारों की चर्चा कीजिए और विशिष्ट जोखिम कम करने तथा तैयारी संबंधी उपायों पर प्रकाश डालिए। 10

2. नाभिकीय ऊर्जा संयंत्र आपदा के आधार पर नाभिकीय आपदाओं के प्रमुख कारणों और प्रभावों का वर्णन कीजिए। 10

3. 'रासायनिक आपदा प्रबंधन के मामले में तैयारी और समुचित अनुक्रिया आवश्यक है।' टिप्पणी कीजिए। 10

4. जैविक आपदाओं पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

5. कोयले की खान में लगी आग के मामले में आपदा प्रबंधन व्यवहारों की व्याख्या कीजिए। 10

भाग–II

6. 'दावानल प्रबंधन में रोकथाम, संसूचन और अवमंदन महत्वपूर्ण चरण हैं।' व्याख्या कीजिए। 10

7. वायु प्रदूषण के कारण पारिस्थितिकीय प्रभावों का वर्णन कीजिए। 10

8. वनोन्मूलन के कारणों और प्रभावों का वर्णन कीजिए। 10

9. सड़क दुर्घटनाओं के कारणों का विवेचन कीजिए और इन आपदाओं को कम करने के उपाय सुझाइए। 10

10. विमान दुर्घटनाओं के मामले में जोखिम कम करने के उपाय सुझाइए और आपदा के बाद की आवश्यकताओं पर प्रकाश डालिए। 10

एम.पी.ए.–003
जोखिम आकलन और संवेदनशीलता विश्लेषण
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–003
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. संवेदनशीलता को परिभाषित कीजिए और संवेदनशीलता में योगदान करने वाले कारकों पर प्रकाश डालिए। 10

2. समाजीय जोखिम प्रबंधन का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 10

3. आपदा जोखिम न्यूनीकरण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी की भूमिका पर प्रकाश डालिए। 10

4. संवेदनशीलता विश्लेषण के विभिन्न मॉडलों की चर्चा कीजिए। 10

5. संवेदनशीलता को कम करने के लिए स्थानीय अनुकूलन कार्यनीतियों पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 10

भाग–II

6. 'भौतिक और सामाजिक–आर्थिक कारक, शहरों में उत्पन्न होने वाले खतरों में योगदान करते हैं।' चर्चा कीजिए। 10

7. विकासात्मक परियोजनाएँ, संवेदनशीलता को किस प्रकार प्रभावित करती है? चर्चा कीजिए। 10

8. आपदा निवारण, तैयारी और न्यूनीकरण के विशेष संदर्भ में योजना के महत्व का वर्णन कीजिए। 10

9. 'संवेदनशीलता को राज्य संरक्षण से कम किया जा सकता है।' चर्चा कीजिए। 10

10. संस्थागत और आधारभूत–स्तरीय संवेदनशीलता के कारणों का विवेचन कीजिए। 10

एम.पी.ए.–004
आपदा तैयारी
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–004
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा प्रबंधन की अवधारणात्मक रूपरेखा का विश्लेषण कीजिए और इसके रूपांतरण की व्याख्या कीजिए। 10

2. आपदा तैयारी के लिए संस्थागत कार्य–प्रणाली का वर्णन कीजिए। 10

3. आपदा तैयारी योजना के प्रभावी होने के लिए कुछ अनिवार्य आवश्यकताओं के साथ संबद्ध होने की जरूरत है। – व्याख्या कीजिए। 10

4. सूचना, शिक्षा और संचार समुदाय तक विभिन्न तरीकों से पहुँच सकते हैं। – विवेचन कीजिए। 10

5. आपदा तैयारी में केंद्र सरकार के मंत्रालयों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

भाग–II

6. आपदा तैयारी में रिमोट सेंसिंग के महत्व की चर्चा कीजिए। 10

7. आपातकालीन संचार में हैम रेडियो की उपयोगिता और उसकी भूमिका का विवेचन कीजिए। 10

8. आपदा न्यूनीकरण की अवधारणा की व्याख्या कीजिए और इसके महत्व पर प्रकाश डालिए। 10

9. सतत विकास पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

10. आपदा प्रबंधन में जनसंचार माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण कीजिए। 10

एम.पी.ए.–005
आपदा प्रतिक्रिया
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–005
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. चर्चा कीजिए कि हमें आपदा प्रतिक्रिया योजना की आवश्यकता क्यों होती है? केंद्र, राज्य तथा ज़िला स्तरों पर प्रतिक्रिया योजना पर प्रकाश डालिए। 10

2. संचार के प्रकारों, तकनीकों और समस्याओं की चर्चा कीजिए। 10

3. संभार तंत्र क्या है? प्रलेखन के महत्व की चर्चा कीजिए। 10

4. आकलन के प्रकारों और तकनीकों की चर्चा कीजिए। 10

5. आपदा प्रबंधन में केंद्र, राज्य और ज़िला शासन द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका का मूल्यांकन कीजिए। 10

भाग–II

6. आपदा प्रतिक्रिया में सशस्त्र बलों की भूमिका और उनकी क्षमताओं एवं संसाधनों की चर्चा कीजिए। 10

7. मानव व्यवहार की अवधारणा तथा दाता और पीड़ित की मनोदशा की चर्चा कीजिए। 10

8. जल आपूर्ति और स्वच्छता के न्यूनतम मानकों पर प्रकाश डालिए। 10

9. अंतर्राष्ट्रीय अभिकरणों द्वारा राहत प्रबंधन संबंधी संरचना की व्याख्या कीजिए। 10

10. पुनरुत्थान को परिभाषित कीजिए और पुनरुत्थान प्रक्रिया से संबद्ध चुनौतियों की रूपरेखा तैयार कीजिए। 10

एम.पी.ए.–006
आपदा चिकित्सा
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–006
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदाओं के प्रतिकूल स्वास्थ्य प्रभावों को कम करने में महामारी रोग–विज्ञान की विभिन्न विधियों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

2. 'आपदाओं संबंधी जोखिम के रोकथाम में स्वच्छता और सफाई मुख्य घटक हैं।' व्याख्या कीजिए। 10

3. अस्पतालों में चिकित्सा तैयारी योजना का वर्णन कीजिए। 10

4. साजो–सामान प्रबंधन में सूची नियंत्रण का विवेचन कीजिए। 10

5. आपदाओं के प्रभावी प्रबंधन के संबंध में दूरदराज के क्षेत्रों में आने वाली सुविधाएँ और बाधाएँ कौन–सी हैं? 10

भाग–II

6. आपदाओं के स्वास्थ्य प्रबंधन में शिक्षा और प्रशिक्षण पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

7. आपदा राहतकर्मियों के लिए स्वास्थ्य और सुरक्षा उपायों की चर्चा कीजिए। 10

8. 'प्रभावी चिकित्सा अनुक्रिया में अस्पताल सतर्कता और घायलों का वर्गीकरण महत्वपूर्ण हैं।' टिप्पणी कीजिए। 10

9. सामुदायिक स्वास्थ्य प्रबंधन के महत्वपूर्ण पक्ष के रूप में संक्रामक रोगों का नियंत्रण का वर्णन कीजिए। 10

10. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 5x2=10

    क) बाढ़ के समय चिकित्सा और स्वास्थ्य अनुक्रिया
    ख) स्वास्थ्य अनुक्रिया में भौगोलिक सूचना प्रणाली (जी.आई.एस) का अनुप्रयोग

एम.पी.ए.–007
पुनर्वास, पुनर्निर्माण और पुनरुत्थान
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए–007
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 50

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

भाग–I

1. आपदा प्रबंधन और विकास में विभिन्न प्राधिकरणों की भूमिका का विवेचन कीजिए। 10

2. सूचना प्रबंधन के लिए संचार व्यवस्था पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

3. एशिया में आपदा तैयारी के स्वरूप की चर्चा कीजिए। 10

4. 'सरकार की केंद्र तथा राज्य, दोनों स्तरों पर आपदा प्रबंधन गतिविधियों की वित्त–व्यवस्था के लिए विशिष्ट योजनाएँ होती हैं।' टिप्पणी कीजिए। 10

5. आपदा रोधी निर्माण की परंपरागत तकनीकों की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 10

भाग–II

6. 'आपदा से निपटने का दर्शन शास्त्र, प्रभावी आपदा प्रबंधन का अनिवार्य पक्ष है।' चर्चा कीजिए। 10

7. आपदा स्थितियों में तनाव प्रबंधन पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

8. आपदा प्रभावित समुदायों तक पहुँचने में जनसंचार माध्यमों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 10

9. पर्यवेक्षण और मूल्यांकन के मार्गदर्शी सिद्धांत और मापदंड कौन–से हैं? 10

10. आपदा प्रबंधन और जागरूकता में लोगों की भागीदारी के महत्व का विवेचन कीजिए। 10

एम.ई.डी–004
सहभागी प्रबंधन की ओर
सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.)

पाठ्यक्रम कोड : एम.ई.डी–004
सत्रीय कार्य कोड : ए.एस.एस.टी/टी.एम.ए/2017
अंक : 100

इस सत्रीय कार्य में सेक्शन I और II हैं। प्रत्येक सेक्शन में पाँच प्रश्न है। आपको कुल मिलाकर पाँच प्रश्नों को 400 शब्दों (प्रत्येक) में करना है। यह आवश्यक है कि कम से कम दो प्रश्न प्रत्येक सेक्शन में से होना चाहिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है।

सेक्शन–I

1. 'सहभागिता परामर्श की एक प्रक्रिया है'। चर्चा कीजिए। 10

2. दक्षिण एशिया में सहभागिता प्रबन्धन के वैयत्तिक मॉडल (Individual Model) व समूहवादी मॉडल (Collectivist Model) को समझाए। 10

3. सहभागिता विकास (Participatory Development) पर एक टिप्पणी लिखिए। 10

4. ओरगि परियोजना में लिए गए विभिन्न कार्यक्रमों का विवरण कीजिए। 10

5. 'पाकिस्तान ने महिलाओं की शिक्षा में पहुँच में प्रगति की है'। विवेचना कीजिए। 10

सेक्शन–II

6. अधिगम में विपर्यय (Reversals in Learning) क्या है? 10

7. 'क्षमता का विकास, परिवर्तन की क्षमता के निर्माण में भूमिका निभाता है'। चर्चा कीजिए। 10

8. विकास में महिलाओं को सम्मिलित करने के विभिन्न सामाजिक कार्यों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। 10

9. संयुक्त वन प्रबन्धन में नीति प्रवृति का वर्णन कीजिए। 10

10. एकीकृत तटीय प्रबन्धन के आवश्यक घटकों की विवेचना कीजिए। 10